वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा:
एक 2.3 खरब डॉलर का अवसर

प्रमुख परिणाम

प्यू ने 2020 की तीन नीतियों के अंतर्गत स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा परिसंपत्तियों में निजी निवेश की समीक्षा करने के लिए *ग्लोबल स्वच्छ ऊर्जा: 2.3 खरब डॉलर अपॉर्च्यूनिटी* प्रकाशित की। इन तीन नीतियों के नाम इस प्रकार हैं: बिजनेस–ऐज़–यूज़अलः वर्तमान नीतियों में कोई परिवर्तन नहीं, कोपेनहेगनः 2009 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वार्ताओं मे किए गए वादों को पूरा करने वाली नीतियों का कार्यान्वयन और संवर्धित स्वच्छ ऊर्जाः निवेश वृद्धि और क्षमता परिवर्धन को नियंत्रित करने के लिए नीतियों का अधिकाधिक डिजाइन तैयार करना। इस रिपोर्ट के आंकड़ों को स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन मार्केट फाइनेंस तथा निवेश से संबंधित समाचार, आंकड़े और विश्लेषण हेतु दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस द्वारा संकलित किया गया था।

1. अपॉर्च्यूनिटी के बारे में

- संवर्धित स्वच्छ ऊर्जा नीतियों के परिपेक्ष्य में जी–20 देशों द्वारा स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में अगले दशक में 2.3 खरब डॉलर के समेकित निवेश की आशा व्यक्त की गई है अर्थात वर्तमान नीति परिपेक्ष्य की दृष्टि से यह 546 बिलियन डॉलर ज्यादा बताई गई है।

- संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत जी–20 देशो में वार्षिक निवेश वर्ष 2020 में 337 अरब डॉलर हो सकता है जो 2010 की तुलना में 161 प्रतिशत ज्यादा है।

- जी–20 के सभी देशों के पास दमदार स्वच्छ ऊर्जा नीतियों को अपनाकर नवीकरणीय ऊर्जा परिसंपत्तियों में ज्यादा से ज्यादा निजी निवेश को आकर्षित करने के अवसर हैं।

2. चीन और भारत में बढ़ते विकास पर आधारित स्वच्छ ऊर्जा निवेश में एशिया सबसे आगे है।

- जी–20 देशों में चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया इन तीनों परिपेक्ष्यों के अतर्गत वर्ष 2020 में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में 40 प्रतिशत तक निवेश का अनुमान लगा रहे हैं।

- संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत अगले दशक में चीन निजी निवेश में 620 अरब डॉलर का समेकित निवेश करने की आशा व्यक्त करता है।

- संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत अगले दशक में भारत निजी निवेश में 169 अरब डॉलर का समेकित निवेश करने की आशा व्यक्त करता है।

- भारत में संवर्धित स्वच्छ ऊर्जा नीतियों के अंतर्गत अगले 10 सालों में 763 प्रतिशत और वर्तमान नीतियों के अंतर्गत 369 प्रतिशत वार्षिक स्वच्छ ऊर्जा निवेश का अनुमान लगाया जा रहा है।

3. संयुक्त राज्य अमरीका को दमदार स्वच्छ ऊर्जा नीतियों से लाभ होने की आशा है।

- यदि वर्तमान नीतियों से संवर्धित नीतियों की तुलना की जाती है तब तीव्र गति स्वच्छ ऊर्जा नीतियों को अपनाने के फलस्वरूप सबसे ज्यादा लाभ अर्जित करने वाले तीन देशों में संयुक्त राज्य अमरीका का भी नाम आता है।

- वर्तमान नीतियों और संवर्धित स्वच्छ ऊर्जा नीतियों के परिपेक्ष्य में यदि अमरीका की बात की जाए तो समेकित निवेश के बीच का अंतर 97 अरब (40 प्रतिशत) दृष्टिगोचर होता है।

- संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमरीका अगले दशक तक स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 342 अरब डॉलर का कुल निजी निवेश आकर्षित कर सकता है।

- संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमरीका वर्ष 2020 तक 53 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश कर सकता है जो 2010 की तुलना में 237 प्रतिशत ज्यादा होगा।

4. यूरोप की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था ने परिपक्वता प्राप्त कर ली है।

- यदि संवर्धित नीति परिपेक्ष्य को महसूस कर लिया जाय तो यूरोपीय संघ के पास अगले दशक तक समेकित निवेश को 20 प्रतिशत बढाकर 705 अरब डॉलर करने की क्षमता है।

- यदि संवर्धित स्वच्छ ऊर्जा नीतियों को आगे बढाया जाता है तब समग्र रूप से यूरोपीय संघ के सदस्य राज्य वर्ष 2020 तक 85 अरब डॉलर वार्षिक निवेश की अपेक्षा कर सकते हैं।

- उल्लेखनीय यूरोपीय संघ के देशों में संवर्धित नीति परिपेक्ष्य के अंतर्गत समेकित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश की निम्नांकित अपेक्षा की गई है:–
  i. जर्मनी – 208 अरब डॉलर
  ii. यूनाइटेड किंग्डम – 134 अरब डॉलर
  iii. इटली – 90 अरब डॉलर
  iv. फ्रांस – 57 अरब डॉलर

5. स्वच्छ ऊर्जा नीतियां ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करती हैं।

केवल संवर्धित नीतिगत उपाय ही सुनिश्चित कर सकते हैं कि 2015 तक पावर सेक्टर ने IPCC के आकलन की कसौटी के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन के उच्चतम स्तर के प्रति अपना कार्य कर दिया है जो ग्लोबल वॉर्मिंग को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए नितांत अनिवार्य है।

6. नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को वर्ष 2020 तक 177 गीगावॉट तक बढाया जा सकता है।

- सामूहिक रूप से जी–20 के सभी देश अगले दशक तक समेकित क्षमता को 1180 गीगावॉट तक बढा पाएंगे बशर्ते संवर्धित नीति परिपेक्ष्य को महसूस किया जा सके। यह उस क्षमता के बराबर होगी जो स्वच्छ ऊर्जा की वर्तमान क्षमता को चार गुणा करने के लिए चाहिए।
-
- वायु वर्ग के प्रमुख तत्वः
  i. वायु ऊर्जा वर्ष 2020 तक सबसे ज्यादा परिसंपत्ति वित्त प्राप्त करने वाला क्षेत्र बन जाएगा जो इस बात को दर्शाएगा कि इसकी सापेक्ष स्थिति परिपक्व हो गई है और इसमें बड़े स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा टेक्नोलॉजी का प्रतियोगी मूल्यों पर इस्तेमाल किया गया है।

  ii. संवर्धित स्वच्छ ऊर्जा परिपेक्ष्य के अंतर्गत वायु वर्ग में परिसंपत्ति के लिए 190 अरब डॉलर वित्त प्रदान करने का अनुमान लगाया गया है जो पिछले 10 सालों में 222 प्रतिशत वृद्धि दृष्टिगोचर करता है।

- सौर ऊर्जा वर्ग के प्रमुख तत्वः
  i. सौर ऊर्जा जी–20 देशों के लिए परिसंपत्ति वित्त प्रदान करने वाला दूसरा सबसे बड़ा वर्ग है और अपनी स्थिति को वह सभी प्रकार से बनाए रखे हुए है।
  ii. संवर्धित नीति परिपेक्ष्य के अंतर्गत, सौर ऊर्जा में निवेश 53 प्रतिशत तक बढ गया है।

- अन्य नवीकरणीय टेक्नोलॉजी वर्ग के प्रमुख तत्वः

  i. यदि देश महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा नीतियों को लागू करते हैं तब सामूहिक रूप से बॉयोगैस, जियोथर्मल, अपशिष्ट ऊर्जा और लघु हाइड्रो पावर परियोजनाओं में वायु और सौर ऊर्जा वर्ग की तुलना में निवेश का स्तर ज्यादा हो जाता है।

  ii. संवर्धित परिपेक्ष्य के अंतर्गत समग्र निवेश 69 अरब डॉलर तक बढाया जा सकता है जो 10 सालों में 263 प्रतिशत तक वृद्धि माना जाएगा।

7. नीतिगत मुद्दे

- पिछले पांच सालों में स्वच्छ ऊर्जा निवेश में हुई अत्यधिक वृद्धि की पूरी दुनिया के लिए एक सामान्य तथ्य के रूप में व्याख्या की गई है – इसमें सहयोगी स्वच्छ ऊर्जा नीतियों को अपनाते हुए निवेश किया गया है।

- बार–बार देखा गया है कि दमदार नीतिगत ढांचे वाले देशों ने सबसे ज्यादा पूंजी आकर्षित की है और रोजगार सृजन सहित सबंधित आर्थिक लाभों का आनंद उठाया है।

- स्वच्छ ऊर्जा वर्ग में विकास ने सभी वर्गो के लिए रोजगार बढाएं हैं और इंजीनियरिंग से शिपिंग तक आपूर्ति बनाए रखी है। बाजार के विस्तार से दुनिया भर के मजदूरों और व्यापारियों को लाभ हो सकता है।